देखो शबरी के खुल गए भाग कुटिया में राम आ गए

देखो शबरी के खुल गए भाग कुटिया में राम आ गए.....

मेरी कुटिया में गंगा और सरयू,
स्नान करेंगे श्री राम, कुटिया में राम आ गए.....

मेरी कुटिया में चंदन का पेड़ है,
तिलक लगाएं सुबह शाम, कुटिया में राम आ गए.....

मेरी कुटिया में तुलसी का पेड़ है,
पूजा करेंगे सुबह शाम, कुटिया में राम आ गए.....

भर भर डलिया वेदों के लाई,
देखो भोग लगाएं मेरे राम, कुटिया में राम आ गए.....

जो बेर शबरी ने राम को दिए हैं,
देखो राम जी ने खाई झुठे बेर, कुटिया में राम आ गए.....

जो बेर शबरी ने लक्ष्मण को दिए हैं,
लक्ष्मण ने फेंके नीचे बेर, कुटिया में राम आ गए.....

लक्ष्मण को जब शक्ति लगी थी,,
संजीवन बन गए बेर, कुटिया में राम आ गए.....

https://bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/32928/title/dekho-shabri-ke-khul-gaye-bhaag-kutiya-me-ram-aa-gaye

अपने Android मोबाइल पर BhajanGanga App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |